ग्रामोद्योग और हाथ के बने ऊनी कालीन उद्योग को संकट का सामना करना पड़ रहा है और उनको कोई प्रोत्साहन नहीं दिया जा रहा है ?

यह कारखाना किस स्थान पर लग रहा है? क्या सरकार ने उस स्थान को बैक्वर्ड एरिया घोषित किया है ? यदि नहीं तो इस बारे में सरकार क्या कार्रवाई कर रही है क्योंकि इनको लाइसेंस पिछड़े जिले में लगाने के लिए दिया गया था ? इसमें क्षेत्रीय जनता को कितना रोजगार मिलेगा ?

श्री जार्ज फर्नान्डिस : माननीय सदस्य ने पूछा है कि कितने लोगों को काम मिलेगा इसके लिए मुझे नोटिस की जरूरत है। जहां तक रा-मटीरियल का सवाल है इस समय कोई ऐसी आपत्ति नहीं है। जैसे मैंने कहा है कोई नई मशीन से कारपेट बनाने वाले कारखाने को इजाजत देने का सवाल ही नहीं उठता है।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Maharashtra-Karnataka Boundary Dispute

*596. SHRI ANNASAHEB GOTKHINDE: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 54 on the 6th April, 1977 regarding Maharashtra-Karnataka, Boundary dispute and state the precise details of the endeavour made by Government during the period of one year, to settle the Maharashtra-Karnataka Boundary dispute as early as possible?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI CHARAN SINGH): The Government have every desire that this issue should be resolved as early as possible and in a spirit of mutual cooperation and goodwill. Now that new Governments have assumed office in Karnataka and Maharashtra, we intend to discuss the question with them with a view to find mutually acceptable solutions.

चम्बल नदी पर राजघाट पुल का निर्माण कार्य

*597. **श्री छबिराम अर्गल** : क्या **नौवहन और परिवहन** मंत्री आगरा-बम्बई राजपथ के बीच मध्य प्रदेश और राजस्थान सीमा पर राजघाट पुल के काऊंटिंग ब्रिज के बारे में 20 जुलाई, 1977 के अल्प सूचना प्रश्न 22 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश-राजस्थान सीमा पर आगरा-बम्बई राष्ट्रीय राजपथ पर चम्बल नदी पर राजघाट पुल का निर्माण कार्य दिसम्बर, 1978 तक पूरा हो जाने की संभावना है ;

(ख) यदि हां, तो कितना कार्य पूरा हो चुका है और कितना कार्य अभी बाकी है;

(ग) क्या 297 लाख रुपये की लागत वाले इस पुल को वर्ष 1978 के अन्त तक पूरा करने के लिए इसके कार्य की गति तेज करने हेतु प्रयास किये जाएंगे ; और

(घ) यदि हां, तो उक्त पुल के निर्माण कार्य में इस समय कितनी प्रगति हुई है ?

नौवहन और परिवहन मंत्रालय में प्रभारी राज्य मंत्री (श्री चांद राम) : (क) से (घ). ठेका करार के अनुसार, कार्य दिसम्बर, 1978 तक पूरा किया जाना है। भूमितल की जांच का कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। 7 नयी नीवों में से 3 नीवों पर कार्य पूरा हो चुका है। जबकि चौथी का कार्य पूरा होने को है। शेष 3 नीवों का कार्य प्रगति के अग्रिम चरणों में है। 3 पायों का निर्माण कार्य किया जा रहा है और नीव के नीचे पिलाई (ग्राउटिंग) कार्य प्रगति में है। अप्रत्याशित प्रकार की चट्टान के कारण राक-डीपर से अपेक्षित नीवों के धसाने के कारण तथा पानी के भारी प्रवाह के कारण, कई कुआं-नीवों पर न्यूमैटिक संयंत्रों के प्रयोग और कुछ सीमेंट की कमी